



## 15. वर्षागीतम् (बालगीतम्)



एहि एहि रे वर्षाजलधर ।  
ग्रामतडागे नैव बत जलम् ।  
सीदति खिन्नं तटे गोकुलम् ॥

ग्रामनदीयम् खलु जलहीना ।  
व्याकुलिता दृश्यन्ते मीनाः ।  
गृहकूपेषु च न नहि नहि नीरम् ।

हृदयमतो मे जातमधीरम्  
दुःखदैत्यं सत्वरमपह ॥1॥ एहि एहि रे

तृषिता गावस्तृषिता लतिका ।  
तृषितास्ते चातका वराकाः ।  
आकाशे त्वं संचर संचर ॥2॥ एहि एहि रे  
तप्तं परितोऽस्माकं सदनम् ।  
शुष्कप्रायं सदैव वदनम् ।

रवि ते जो ननु दहति लोचनम् ।  
शरीरमखिलं घर्मक्लिन्नम् ।  
प्रखरं सकलं वातावरणम् ।

दुर्धरमधुना लोक जीवनम्  
जनसंतापं सुदूरमपहर ॥3॥ एहि एहि रे

### अर्थ

- हे वर्षा करने वाले बादल ! आओ आओ गांव के तालाब में पानी नहीं है । तट पर गायों का झुण्ड प्यास के कारण व्याकुल हो रहा है । गांव की यह नदी भी पानी रहित होकर सूख गई है । इसकी मछलियाँ पानी के बिना तड़प रही हैं । (व्याकुल हो रही है) घरों के कुओं में पानी नहीं है । मेरा चित्त अब अधीर हो उठा है। हमारे दुःख और दैन्य को शीघ्र दूर करो । हे ! बादल तुम जाओ ।

2. ये शुक-सारिकायें (तौता-मैनायें) प्यासी है । गायें प्यासी है । लतायें प्यासी है । बेचारे चातक प्यासे हैं । हे बादल तुम आकाश में छा जाओ, बादल तुम आओ ।
3. हमारा घर चारों ओर से गरम हो गया है । (तप गया है) हमारा मुख सूख रहा है । सूर्य की किरणें आखों को जला रही है । सारा शरीर पसीने से भीग गया है । सम्पूर्ण वातावरण प्रखर हो गया है। (संतप्त हो गया है) जनजीवन अब कष्टमय हो गया है । हे बादल जनो के संताप को अब दूर करो । बादल ! तुम आओ , आओ ।

### शब्दार्थः

एहि	-	हे
जलधर	-	बादल
तडागे	-	तालाब में
नैव	-	नहीं
सीदति	-	कमजोर हो गया है
कूपेषु	-	कुओं में
अधीरम्	-	बिना धैर्य के
सत्वरम्	-	शीघ्र
अपहर	-	दूर करो
तृषिता	-	प्यासी
गावः	-	गायें
वराकाः	-	बेचारे
संचर	-	छा जाओ
परितः	-	चारों ओर
सदनम्	-	महल, भवन
वदनम्	-	मुख
तेजः	-	गर्मी, प्रकाश
ननु	-	अवश्य ही
दहति	-	जला रहा है
लोचनम्	-	आँख को
क्लिन्नम्	-	पसीना
प्रखरम्	-	गर्मी से संतप्त
दुर्धरम्	-	कष्टमय

### अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दीजिए ।

1. जलं विना जीवजन्तवः किम् अनुभवन्ति ?

2. केषु कूपेषु जलं नास्ति ?
3. तडागे किं नास्ति ?
4. किं जन्तवः तृषिताः सन्ति ?
5. जनानां सन्तापं कः दूरी करोति ?

## 2. खाली स्थानों को भरिये ।

1. जलधरः ..... ददाति।
2. .... जलं सीदति ।
3. जलहीनेन मीनः ..... भवति ।
4. वर्षाकाले ..... आकाशे संचरन्ति ।
5. वर्षाकाले सरोवरे ..... तरन्ति ।

## 3. प्रत्येक खण्ड में से एक-एक शब्द लेकर पांच वाक्य बनाइये।

मेघा	पवनः	वर्धते
शीतलः	इतस्ततः	सन्ति
दुग्धपानेन	कृष्णा	धावन्ति
बालकाः	मधुरं	वहति
दुग्धं	बुद्धिं	भवति

## 4. कोष्ठकों में दिये गये हिन्दी शब्दों के स्थान पर संस्कृत के उचित शब्द लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए -

1. (वे सब) जले क्रीडन्ति .....
2. एषा (गाय) अस्ति .....
3. (उपवन में) मयूरः नृत्यति .....
4. (आकाश में) मेघाः नृत्यन्ति .....
5. (सभी) प्रसन्नाः सन्ति .....

